राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), मोहाली

स्वच्छता संदेश

दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को देश के प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी को 'स्वच्छ भारत अभियान' की नींव क्यों रखनी पड़ी? हम अपनी दिनचर्या में साफ - सफाई को क्यों नहीं जोड़ पा रहे है ? खुद के स्वास्थ्य के प्रति हम लोग अपनी सोच और स्वभाव में परिवर्तन क्यों नहीं ला पा रहे है। ये वाक्य एक प्रश्न की तरह मन - मस्तिष्क में कौंध रहे है। इन प्रश्नों के उत्तर आज की युवा पीढ़ी की जागरूकता में समाहित है। अगर वे अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करे और लोगो को साफ - सफाई का महत्व समझाएं। अतः सभी प्रशिक्षणार्थी अपने घर, अपने मोहल्ले, अपनर गांव, अपनी ट्रेड और अपने संस्थान में स्वच्छता का ध्यान रखें और अपने देश की प्रगति एवं विकास में अपना योगदान करें। सभी अभिभावकों एवं राष्ट्रनिर्माताओं (शिक्षकवृंद) से भी आग्रह है की वे यथासंभव भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करते रहें।

एक कहावत है कि **"स्वच्छता भगवन की ओर अगला कदम है।"** अगर हम प्रभावी रूप से इसका अनुसरण करें तो आने वाले वर्षों में पूरा देश भगवन का निवास स्थान बन जायेगा। हमें अपने जीवन में स्वच्छता को बनाये रखने की आवश्यकता है, एक स्वस्थ देश और स्वस्थ समाज को जरुरत है कि उसके नागरिक स्वस्थ रहें तथा हर व्यवसाय में स्वच्छ हों। स्वच्छता हमारे जीवन के साथ-साथ देश के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह सर्वविदित है कि महात्मा गांधी ने व्यक्तिगत रूप से उस परिवर्तन को प्राप्त करने का प्रयास किया जो वे देखना चाहते थे। इंजीनियरों, टेक्नोक्रेट की भूमिका, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जा सकने वाली तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तकनीशियन और लोक सेवक बहुत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया की भूमिका है

लोगों में जागरूकता पैदा करना और उनमें राष्ट्रीयता की भावना पैदा करना महत्वपूर्ण है। स्वच्छता केवल 'सफाई कर्मचारी' या स्थानीय सरकार का कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह समय की आवश्यकता है कि पर्यावरण की सुरक्षा और हमारे भविष्य की सुरक्षा के लिए महात्मा गांधी के सपने को पूरा करने के लिए देश को स्वच्छ बनाने के लिए सभी लोग सक्रिय रूप से भाग लें।

स्वच्छता है तो स्वास्थ्य है, स्वास्थ्य है तो समृद्धि है।